स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम मॉडल स्कूल परिसर में 100 सीटर की व्यवस्था

सुदूर अंचल के विद्यार्थियों के लिए शमक विवि में दो नए छात्रावास प्रारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶। जगदलपुर

विद्यार्थियों को हरसंभव सुविधा उपलब्ध कराने को संकल्पित शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में बुधवार को दो नए छात्रावास का पूजा-हवन के साथ शुभारंभ किया गया। छात्राओं के लिए स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम मॉडल स्कूल, धरमपुरा के परिसर में बने 100 सीटर छात्रावास की व्यवस्था की गई हैं। यह छात्रावास शासन के द्वारा मॉडल कॉलेज प्रबंधन से अपना छात्रावास तैयार होने तक तात्कालिक सुविधा हेतु प्राप्त की गई है। वहीं छात्रों को कालीपुर स्थित विवि के नए बिल्डिंग के पास 100 सीटर छात्रावास सुविधा उपलब्ध कराई गई है। बुधवार को कुलपति प्रो मनोज कुमार श्रीवास्तव की उपस्थिति में गृह पूजा- अर्चना के साथ दोनों छात्रावास प्रारंभ किया गया। कुलपति प्रो एमके श्रीवास्तव ने बताया कि सुदूर क्षेत्र के सभी विद्यार्थियों को छात्रावास सुविधा नहीं मिलने के कारण उन्हें यहां शहर में रहकर पढ़ाई करना मुश्किल हो रहा था। आर्थिक इत्यादि कारणों से वे रेगुलर क्लास नहीं कर पा रहे थे। इसीलिए विद्यार्थियों की मांग पर विवि प्रबंधन ने अध्ययनशालाओं के नजदीक ही दो नए छात्रावास को व्यवस्थित किया है। प्रो. श्रीवास्तव ने बताया कि पूर्व में दिए गए आश्वासन के अनुसार सुकमा, कोंटा, बीजापुर, भोपालपटनम क्षेत्र से आए विद्यार्थियों को प्राथमिकता के साथ हॉस्टल दिया जाएगा। इस अवसर पर विवि के वरिष्ठ प्राध्यापक प्रो शरद नेमा, प्रो स्वपन कुमार कोले, प्रोआनंद मूर्ति मिश्रा, प्रो विनोद सोनी, डॉ सजीवन कुमार, श्री डोंगरे, विपिन गुप्ता, एबीवीपी के शैलेश सहित अन्य उपस्थित थे।

- सुकमा, कोंटा, बीजापुर, भोपालपटनम क्षेत्र के विद्यार्थियों को प्राथमिकता

छात्रावास में सभी सुविधाएं बहाल

नए छात्रावास में बिजली, पानी, चारपाई, कुर्सी, वाटरकूलर, गार्ड इत्यादि की व्यवस्था कर ली गई है। पूर्व में मिले आवेदन के आधार पर गुरुवार से अध्ययनशालाओं में नियमित अध्ययनरत सभी वर्ग के छात्र-छात्राओं को हॉस्टल आवंटित किया जाएगा। प्रो श्रीवास्तव ने बताया कि इस बार विवि में कई नए अध्ययनशालाएं खोली गई है। नियमित विद्यार्थियों की संख्या भी बढ़ी है। इसे देखते हुए दो नए सर्वसुविधायुक्त छात्रावास प्रारंभ किया गया है ताकि सुदूर क्षेत्र के विद्यार्थी नियमित अध्ययन कर सकें।

Scanned with OKEN Scanner

आवासीय सुविधा

कुलपति ने पूजा-पाठ कर नए छात्रावासों की शुरुआत की, लंबे वक्त से हॉस्टल शुरू करने की मांग कर रहे थे

नहीं ढूंढना पड़ेगा किराए का मकान, विवि ने शुरू किए दो नए हास्टल

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जगदलपुर . शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में बाहर से आकर पढ़ाई करने वाले छात्रों को अब किराए का मकान नहीं ढूंढना पड़ेगा। छात्रों के बीच से लगातार छात्रावास शुरू किए जाने की मांग की जा रही थी। अब विवि प्रबंधन ने छात्रों के लिए दो नए हॉस्टल की शुरुआत कर दी है। ऐसे छात्र जो दूरस्थ अंचल से आकर यहां पढ़ाई करते हैं उन्हें अब यहां रहने में कोई दिक्कत नहीं होगी। वे विवि के हॉस्टल में रह पाएंगे। विवि के कुलपति प्रोफेसर डॉ. मनोज कुमार श्रीवास्तव ने बुधवार को दो नए हॉस्टल के लिए पूजा-अर्चना कर इनकी शुरुआत की। आत्मानंद स्कूल परिसर और कालीपुर में 100-100 सीटर दो छात्रावास शुरू किए गए। इस मौके पर कुलपति प्रो. एमके श्रीवास्तव ने कहा कि सुदूर क्षेत्र के सभी विद्यार्थियों को छात्रावास सुविधा नहीं मिलने के कारण उन्हें यहां शहर में रहकर पढ़ाई करना मुश्किल होता था। आर्थिक कारणों से वे रेगुलर क्लास नहीं कर पा रहे थे। इसीलिए विद्यार्थियों की मांग पर विवि प्रबंधन ने अध्ययनशालाओं के नजदीक ही दो नए छात्रावास को शुरू कर दिया है। प्रो श्रीवास्तव ने बताया कि पूर्व में दिए गए आश्वासन के अनुसार सुकमा, कोंटा, बीजापुर, भोपालपट्टनम क्षेत्र से आए विद्यार्थियों को प्राथमिकता के साथ हॉस्टल दिया जाएगा। नए छात्रावास में बिजली, पानी, चारपाई, कुर्सी, वाटर कूलर, गाई ईत्यादि की व्यवस्था कर ली गई है। पूर्व में मिले आवेदन के आधार पर गुरुवार से अध्ययनशालाओं में नियमित अध्ययनरत सभी वर्ग के छात्र-छात्राओं को हॉस्टल आवंटित किया जाएगा। बुधवार को छात्रावास के शुभारंभ अवसर पर विवि के वरिष्ठ प्राध्यापक प्रो. शरद नेमा, प्रो. स्वपन कुमार कोले, प्रो. आनंद मूर्ति मिश्रा, प्रो. विनोद सोनी, डॉ मजीवन कुमार, डॉ. संजय डोंगरे, विपिन गुप्ता, एबीवीपी के शैलेश ध्रुव सहित अन्य उपस्थित थे।

नए हॉस्टल में बुधवार को पूजा-अर्चना करते कुलपति व विवि के अन्य लोग।

विवि में शुरू हुए नए कोर्स के साथ बढ़े छात्र

कुलपति प्रो. श्रीवास्तव ने बताया कि इस बार विवि में कई नए विभाग खोले गए हैं। नियमित विद्यार्थियों की संख्या भी बढ़ी है। इसे देखते हुए दो नए सर्वसुविधायुक्त छात्रावास प्रारंभ किया गया है ताकि सुदूर क्षेत्र के विद्यार्थी नियमित अध्ययन कर सकें। अब छात्रों को रहने के लिए किराए का मकान नहीं ढूंढना पड़ेगा। छात्रों को यहां रहना काफी महंगा पड़ता था। सुकमा, बीजापुर, दंतेवाड़ा जैसे इलाकों से आने वाले आदिवासी समाज के छात्रों के सामने छात्रावास की बड़ी समस्या होती थी अब वह दूर हो गई है।

Scanned with OKEN Scanner